कानपुर, सोमवार 1 नवम्बर, 2021

हिन्दी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय

वाराणसी । गोरखपुर । प्रयागराज
कानपुर (झांसी) । लखनऊ
आगरा । बरेली । पटना
रांची (धनबाद संस्करण)
जमशेदपुर

online Edition
www.ajhindidaily.com

तापमान
अधिकतम 29.6 डि.से.
न्यूनतम 13.8 डि.से.
आर्द्रता- 84-38%

आज

10 असगर अफगान
अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

उर्मिला मर्तोंडकर 12
कोरोना पॉजिटिव हुईं

कृषिवानिकी एकता का उदाहरण :डॉ. अरुणाचलम

(आज समाचार सेवा)

झांसी, ३१ अक्टूबर। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में आज भारत के लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' मनाया गया। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के अश्वनी मिश्रा तथा निशा विश्वकर्मा एवं रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के अवनीश कुमार, शुभम, आयुषी यादव, मयंक शर्मा, दिगविजाय कुमार एवं सोहिल अंसारी ने वाद-विवाद प्रतियोगिता, जिसका विषय 'राष्ट्रीय एकता चुनौतियां एवं अवसर' रहा में भाग लिया और राष्ट्रीय एकता पर अपने विचार व्यक्त किये तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की महत्ता पर सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक का कार्य डॉ. सी. के. बाजपेयी ने सम्पादित किया।

कार्यक्रम में शपथ दिलाते हुए। छाया-आज

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कहा कि किसी भी देश की ताकत उसकी एकता में निहित होती है और हमारे देश भारतवर्ष की सबसे बड़ा खूबसूरती यही है कि इतने धर्म, सम्प्रदाय, जाति के बावजूद लोग आपस में मिल-जुल कर रहते हैं और देश की एकता बनाये हुये हैं। उन्होंने आगे बताया कि आज के समय में सभी भारतीयों को धर्म और जाति से उठकर सोचने की आवश्यकता है और एक सच्चे भारतीय की तरफकंधे से कंधा मिलाकर कर देश की अखण्डता में अपनी भूमिका निभाना है। उन्होंने कहा कि हम एक हैं क्योंकि हमारा देश एक है तथा एकता कायम है। उन्होंने राष्ट्रीय भोजन खिचड़ी का उल्लेख किया। जिसमें सभी अनाज मिलकर एक स्वाद देते हैं। उन्होंने कृषिवानिकी का उल्लेख करते हुये कहा कि हमें प्रकृति से एकता सीखनी चाहिये जैसे 'पेड़ फसल पशुपालन' एकता की माला में पिरोकर एक कृषिवानिकी का आकार लेते हैं।

कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कुलगीत से की गयी। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. के. राजराजन ने मंचासीन अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय एवं रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं तथा संस्थान के समस्त कार्मिकों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. आर. पी. द्विवेदी ने सभागा में उपस्थित सभी छात्र/छात्राओं तथा संस्थान के समस्त कार्मिकों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। डॉ. शायमा परवीन, बुल्देलखण्ड विश्विविद्यालय ने राष्ट्रीय एकता पर अपने विस्तृत विचार रखे। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी तथा कर्मचारी तथा बुल्देलखण्ड विश्वविद्यालय एवं रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के बी.एस.सी.(कृषि) अन्तिम वर्ष के 60 छात्र/छात्रायें सम्मिलित रहे।

कार्यक्रम का संचालन सुरेश रमनन एस. एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रियंका सिंह ने किया।

टीके की कीमत घटाने पर जायडस कैडिला सहमत पेज-11

70 साल के विकास को भाजपा ने सात साल में किया बर्बाद पेज-09

-अमित मालवीय @amitmalviya

पेट्रो प्रोडक्ट पर ऊंचे शुल्क से भरी सरकार की झोली पेज-15

डाक संस्करण

www.facebook.com/rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www..rashtriyasahara.com

उर्मिला मातोंडकर कोरोना से संक्रमित पेज-16

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

■ कानपुर ■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ पटना ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

कानपुर
सोमवार • 1 नवम्बर • 2021
पृष्ठ 16, मूल्य ₹ 3.00

सराफा दिल्ली सोना | चांदी | शेयर सेंसेक्स | निफ्टी | विनिमय दर ₹/$ | मौसम (कानपुर) तापमान अधिकतम 29.8° | न्यूनतम 13.8°

एकता का उदाहरण है कृषिवानिकी : डॉ. ए अरुणाचलम

झांसी (एसएनबी)। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान में भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' मनाया गया। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के अश्वनी मिश्रा तथा निशा विश्वकर्मा एवं रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के अबनीश कुमार, शुभम, आयुषी यादव, मयंक शर्मा, दिगविजाय कुमार एवं सोहिल अंसारी ने वाद-विवाद प्रतियोगिता, जिसका विषय 'राष्ट्रीय एकता चुनौतियां एवं अवसर' रहा में भाग लिया और राष्ट्रीय एकता पर अपने विचार व्यक्त किये तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारा 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की महत्ता पर सभी का ध्यान आकृषित किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक का कार्य डॉ. सीके बाजपेयी ने सम्पादित किया।

झांसी : एकता की शपथ दिलाते कृषिवानिकी कर्मचारी। फोटो : एसएनबी

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरुणाचलम ने कहा कि किसी भी देश की ताकत उसकी एकता में निहित होती है और हमारे देश भारतवर्ष की सबसे बड़ा खूबसूरती यही है कि इतने धर्म, सम्प्रदाय, जाति के बावजूद लोग आपस में मिल-जुल कर रहते है और देश की एकता बनाये हुये है। उन्होंने आगे बताया कि आज के समय में सभी भारतीयों को धर्म और जाति से उठकर सोचने की आवश्यकता है और एक सच्चे भारतीय की तरफ कंधे से कंधा मिलाकर कर देश की अखण्डता में अपनी भूमिका निभाना है। उन्होंने कहा कि हम एक है क्योंकि हमारा देश एक है तथा एकता कायम है। उन्होंने राष्ट्रीय भोजन खिचड़ी का उल्लेख किया जिसमें सभी अनाज मिलकर एक स्वाद देते है। उन्होंने कृषिवानिकी का उल्लेख करते हुये कहा कि हमें प्रकृति से एकता सीखनी चाहिये जैसे- 'पेड़, फसल, पशुपालन' एकता की माला मे पिरोकर एक कृषिवानिकी का आकार लेते है। कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कुलगीत से की गयी। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. के. राजराजन ने मंचासीन अतिथियो एवं सभागार में उपस्थित बुन्देलखण्ड विश्वविद्याय एवं रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं तथा संस्थान के समस्त कार्मिको का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. आरपी द्विवेदी ने सभागा में उपस्थित सभी छात्र/छात्राओं तथा संस्थान के समस्त कार्मिकों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। डॉ. शायमा परवीन, बुल्देलखण्ड विश्विविद्यालय ने राष्ट्रीय एकता पर अपने विस्तृत विचार रखे। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी तथा कर्मचारीगण तथा बुल्देलखण्ड विश्वविद्यालय एवं रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी (कृषि) अन्तिम वर्ष के 60 छात्र/छात्रायें सम्मिलित रहे।